

# BATTLE FOR REVENUES BETWEEN BIG TECH & NEWS PUBLISHERS

Govt has pushed for a level playing field and advocating equal share of revenues between the tech majors and news publishers

The battle between the tech majors and news publishers is getting strong and the Govt is pushing the big tech to share revenue with digital news publishers. Big Tech refers to the major technology companies such as Apple, Google, Amazon, Facebook and Microsoft.

Citing examples of countries like Australia and Canada, Union I&B Ministry Secretary Apurva Chandra said it is important digital publishers get fair share of revenue generated by the big tech from hosting the news content.

In Australia, the government made a law that mandated companies like Facebook and Google to pay news publishers if they wish to host their content.

Australia, Canada, France, and European Union (EU) have ensured a fair split of revenue among the creators of news content and the aggregators.

Chandra said, "For the growth of the news industry, it is important that the digital news platform of

# बड़ी तकनीक और समाचार प्रसारकों के बीच राजस्व की लड़ाई

सरकार ने तकनीकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों और समाचार प्रकाशकों के बीच राजस्व में समान हिस्सेदारी की वकालत करते हुए समान अवसर पर जोर दिया है। तकनीकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों और समाचार प्रसारकों के बीच लड़ाई तेज होती जा रही है और सरकार डिजिटल समाचार प्रकाशकों के साथ राजस्व साझा करने के लिए बड़ी तकनीक पर

जोर दे रही है। विग टेक का मतलब प्रमुख तकनीकी कंपनियों जैसे एप्पल, गुगल, अमेजन, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट से है।

ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों का उदाहरण देते हुए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्वा चंद्रा ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि डिजिटल

प्रकाशकों को समाचार सामग्री की मेजबानी से बड़ी तकनीक द्वारा उत्पन्न राजस्व का उचित हिस्सा मिले। ऑस्ट्रेलिया में सरकार ने एक कानून बनाया है जिसके तहत फेसबुक व गूगल जैसी कंपनियों को समाचार प्रकाशकों को भुगतान करना आवश्यक है यदि वे अपनी सामग्री की मेजबानी करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपिय संघ (ईयू) ने समाचार सामग्री के निर्माताओं और एग्रीगेटर्स के बीच राजस्व का उचित

विभाजन सुनिश्चित किया है।

चंद्रा ने कहा 'समाचार उद्योग के विकास के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि इन सभी प्रकाशकों के डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्म, जो मूल सामग्री



APURVA CHANDRA

## MARKET REPORT

all these publishers which are the creators of original content get a fair share of the revenue from the Big Tech platforms which act as an aggregator of the content created by others.”

He said, “I understand that they have in place adequate systems of checks and balances to ensure that correct and factual news flows out and are a good example of our stated policy of self-regulation.”

The basic idea behind wanting to make Facebook and Google pay for news shared on their website is to address the issue of disproportionate advertisement revenue on the internet. Internet ad revenue goes mostly to Facebook and Google and these websites feature news articles. The argument is that while hosting of news articles helps Facebook and Google get revenue through ads, the news publishers don't get the proportionately benefitted.

Though news publishers abroad have supported such a proposal, platforms like Facebook have resisted such moves. Their argument is that they are merely an intermediary and users share news content as per their will. They have also argued that they are not the only once profiting as news publishers also get a platform to showcase their content and a lot of traffic goes to the news website from Facebook and Google.

What Facebook didn't say was that this traffic isn't worth nearly as much to those publishers as it could be, because Facebook and Google control the majority of the digital ads market and make most of the money from it, rather than the outlets whose content those ads are posted on.

There should be a consensus on this and suitable mechanism evolved so that both the stakeholders benefit. ■

के निर्माता हैं, उन्हें विंग टेक प्लेटफॉर्मों से राजस्व का उचित हिस्सा मिलता है, जो दूसरों द्वारा बनायी गयी सामग्री के एक समूह के रूप में काम करते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं समझता हूँ कि जांच और संतुलन की पर्याप्त व्यवस्था है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सही और तथ्यात्मक समाचार सामने आये और यह स्व-नियमन की हमारी घोषित नीति का अच्छा उदाहरण है।'

फेसबुक और गूगल को अपनी वेबसाइट पर साझा की जाने वाली खबरों के लिए भुगतान करने के पीछे मूल विचार इंटरनेट पर आय से अधिक विज्ञापन राजस्व के मुद्दे को संबोधित करना है। इंटरनेट विज्ञापन राजस्व ज्यादातर फेसबुक और गुगल को जाता है और इन वेबसाइटों में समाचार लेख होते हैं। तर्क यह है कि समाचार लेखों की मेजबानी करने से फेसबुक और गूगल को विज्ञापन के माध्यम से राजस्व प्राप्त करने में मदद मिलती है, लेकिन समाचार प्रकाशकों को अनुपातिक रूप से लाभ नहीं मिलती है।

हालांकि विदेशों में समाचार प्रकाशकों ने इस तरह के प्रस्ताव का समर्थन किया है, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म ने इस तरह के कदमों का विरोध किया है। उनका तर्क है कि वे केवल मध्यस्थ हैं और उपयोगकर्ता अपनी इच्छा के अनुसार समाचार सामग्री साझा करते हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि वे केवल एक बार लाभ नहीं कमा रहे हैं क्योंकि समाचार प्रकाशकों को भी अपनी सामग्री दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म मिलता है और फेसबुक व गूगल से समाचार वेबसाइट पर बहुत अधिक ट्रैफिक जाता है।

फेसबुक ने जो नहीं कहा वह था कि यह ट्रैफिक उन प्रकाशकों के लिए जितना हो सकता है उतना नहीं है, क्योंकि फेसबुक व गूगल अधिकांश डिजिटल विज्ञापन बाजार को नियंत्रित करते हैं और उन आउटलेट के बजाय जिनकी सामग्री पर यह विज्ञापन पोस्ट किये गये हैं, इससे अधिकांश पैसा कमाते हैं।

इस पर आम सहमति होनी चाहिए और उपयुक्त तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। ताकि दोनों हितधारकों को लाभ हो। ■



**INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE  
CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY**



- ❖ In-depth & Unbiased Market Information
- ❖ Technology Breakthroughs
- ❖ Reaches More Than 40,000 Personnel Across The Satellite & Cable TV Industry every month

**... You Know What You Are Doing  
But Nobody Else Does**

**ADVERTISE NOW !**

Contact:  
Mob.: +91-9108208956  
Email: geetalalwani@nm-india.com